विषय-हिंदी

व्याकरण अध्यापन पद्धती

व्याकरण अध्यापन पद्धती

१).व्याकरण अध्यापन पद्धती

२).प्रत्यक्ष संभाषण या प्रश्नोत्तर प्रणाली

३).डॉ.मायकेल वेस्ट पद्धती

४).गठन पद्धती

५).समवायात्मक पद्धती

गठन पद्धती प्रस्तावना

यह प्रणाली प्रत्यक्ष प्रणाली का संशोधित रूप हैं| गठन विधी रचना प्रधान हैं|भाषा की प्रकृती ध्यान में रख्कर वार्तालाप शैली से भाषा का अध्यापन किया जाता हैं|भाषा का प्रत्येक प्रतिरूप या गठन व्याकरण के किसी रूप पर आधारित रहता हैं|

- संकल्पना
- परिभाषा
- गठन विधी का महत्व
- गठन प्रणाली के गुण
- गठन प्रणाली के दोष
- शैक्षणिक महत्व

गठन विधी
(structure method)

गठन का मतलब हैं 'चौखट' | चौखट में निशित स्थानो पर शब्द राखने से वाक्य पूर्ण होता है | उदा.यह.... हैं | यह एक चौखट या ढॉचा हैं | उसमेंरिक्त स्थान की पूर्ती करनेवाला शब्द मेज,कुर्सी,पुस्तक यह(content words)हैं | इस प्रकार वाक्यरचना के ढॉचे बनाए जाते हैं | और छात्रों की सहायता से वाक्य पूर्ण किये जाते हैं |

उदा.रमेश.... हैं |

यह....हैं |

ये.....हैं | आदि.

गठन विधी का महत्त्व

इस प्रणाली में छात्रों को बोलने की प्रेरणा मिलती है| उनमें भाषा बोलने की आदते भी डाली जाती है| इसीलिये यह प्रणाली उपयुक्त है|

इस प्रणाली में छात्र अधिक क्रियाशील राहते है| तथा पढने के प्रती आकर्षण,रुची का निर्माण होणे में मदत मिळती है| इसलिये पाठ के प्रती,अध्ययन के प्रती छात्रों की एकाग्रता बनी राहती है| वाचन और लेखन आरंभ करने से पहले ढॉचे के प्रयोग की पर्याप्त पढाई की जाती है| संरचना प्रणाली में समझाना,बोलना,पाढना और लेखन इस स्वाभाविक क्रम का अनायास अवलंब होने से छात्र भाषा के विविध अंगो पर आसनी से प्रभुत्व प्राप्त कर सकते है|

गठन प्रणाली के गुण

- इस प्रणाली से ढॉचे छात्रों की मौखिक योग्यता बढाती हैं|
- एक हर प्रकार के ढॉचे पुनरावृत्ति करने से भाषा का अभ्यास बढ़ जाता हैं|
- इस प्रणाली में व्याकरण की क्षमता काम कर दी हैं|
- छात्रों की क्रीडाशीलता,आत्मप्रकाशन,एवं स्पर्धा वृत्ती का विकास इस पद्धति के द्वारा होती हैं|
- छात्र अवधानपूर्वक रुची से विषय का अध्यन करते हैं|
- मानक भाषा के प्रयोग से छात्र अभ्यस्त होते हैं|
- छात्र अवधान देकार रुची से ज्ञान ग्रहण करते हैं|
- समझाना,बोलना,पढना,लिखना इस नैसर्गिक क्रम का अवलंब इस पद्धती के किया जाता हैं|इसलिये भाषा के विविध अंगों पर छात्र आसानी से प्रभुत्व पालेते हैं|
- वाक्यों को दोहराया जाता हैं|
- व्याकरण तथा रचना शिक्षा की पढाई करने से भाषा के अंगोंपर अच्छा प्रभुत्व आता हैं|

गठन प्रणाली के दोष

- छात्र भाषा की संरचना को एक विशिष्ट क्रम से पढते है,किंतु व्यवहार में स्वतंत्र रूप से उन रूपों का वाक्य में प्रयोग करते हुये घबराते है|
- संरचनाएँ बनाने के लिये तज्ञ लोगों की कमी है|
- इतनी संरचनाएँ बनाकर पाठशाला ने भेजना,आर्थिक बोझ है|

शैक्षणिक महत्त्व

यह प्रणाली द्वारा व्याकरण और रचना की शिक्षा का छात्रों को उपयोग होता है| अनुकूल वातावरण में छात्रों के सामने वाक्यरचना के विभिन्न ढॉचे प्रस्तुत कर उन्हे आवश्यक शब्द भरणे के लिये कहा जाता है| छात्रों की आयुके अनुसार रचना के सुलभ ढॉचे दिये जाते है| यह विधी ने मौखिक बातो पर अधिक ध्यान दिया जाता है|